Vol 4 Issue 12 Sept 2015

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

Review Of Research
ISSN 2249-894X

Impact Factor : 3.1402(UIF)
Volume - 4 | Issue - 12 | Sept - 2015

ifjiDo 0;kolkf;d nf"Vdk.k ,oa 'kf{kd ;kX;rk dh lUnHkZ esa okf.kT; fo"k;oLrq dh ifr ek/;fed f'k{kdksa dk iR;{khdj.k

वंदना गोस्वामी[1] , मीनू गंगल[2]
[1]डीन, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, जिला – टोंक, राजस्थान।
[2]शोधकर्त्री, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, जिला – टोंक, राजस्थान ।

ABSTRACT

The study aimed to find out the difference between the perception towards the commerce content of secondary school Women teachers with special reference to mature vocational attitude and Academic ability. The researchers formulate the hypothesis of no significant difference between the perception towards the commerce content of secondary school Women teacher with special reference to mature vocational attitude and Academic ability. The survey method was used and 30 (Graduate 12 and postgraduate 18) secondary school Women teacher population belonging to Tonk District of Rajasthan State were chosen for the study by random sampling method. The results of the study are present in various table and graphs. The researchers revealed that the significant difference between the the perception towards the commerce content of secondary school Women teacher with special reference to mature vocational attitude and Academic ability.

प्रस्तावना :

वर्तमान समाज में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। किसी भी समाज की प्रगति का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था है। किसी भी समाज की व्यवस्था में परिवर्तन व विकास की दिशा शिक्षा के द्वारा निर्धारित की जा सकती है। शिक्षा को प्राप्त करने का महत्वपूर्ण स्थान विद्यालय है। विद्यालय ही एक ऐसी संस्था है जहाँ शिक्षक बालक को उसकी, योग्यता, कुशलता, आयु, रूचि, मानसिक स्तर तथा परिपक्वता के साथ शिक्षा प्रदान करता है। विद्यार्थी को समाज के लिए तैयार करता है। विद्यार्थी अनौपचारिक वातावरण से आता है और शिक्षक उसे औपचारिक वातावरण के लिए तैयार करता है। वर्तमान में शिक्षा बाल केन्द्रित है। आज शिक्षण के दौरान विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण विधियों का प्रयोग करने पर बल दिया जाता है। शिक्षा का पाठ्यक्रम प्राथमिक स्तर, उच्च प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर पर तथा उच्च माध्यमिक स्तर आदि पर भिन्न भिन्न होता है। जैसे-जैसे स्तर बढ़ता जाता है वेसे-वैसे पाठ्यक्रम में विषय सम्प्रत्यय बढ़ते जाते है। विद्यार्थी को आवश्यकता अनुसार जटिलताएं बढ़ती जाती है। अतः सभी जटिलताओं, समस्याओं का समाधान कक्षा कक्ष में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान छात्रों के स्तरानुसार प्रभावशाली रूप से वही शिक्षक प्रस्तुत कर पाते है जिनका दृष्टिकोण अपने विषय एवं व्यवसाय के प्रति परिपक्व होता है।

सामाजिक अध्ययन विषय के अन्तर्गत अनेक विषयों का समन्वय होता है जैसे इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण। माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य इकाई को भी सम्मिलित कर दिया जाताहै। इन सभी विषयों के समन्वय को निर्मित सामाजिक अध्ययन विषय के द्वारा विद्यार्थियों को समाज का अध्ययन कराया जाताहैं इस विषय को प्रभावी रूप से पढाये जाने पर विद्यार्थियों में देश व समाज के प्रति अच्छी भावनाएं जागृत होगी। यह महत्वपूर्ण कार्य एक परिपक्त दृष्टिकोण वाले शिक्षक के द्वारा पूर्ण किया जा सकता हैं यदि शिक्षक का स्वयं का दृष्टिकोण अपने विषय के प्रति सकारात्मक हो। शिक्षा हमारे समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखती है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी योग्यताओं रूचियों, व्यक्तित्व के आधार पर एक दूसरे से भिन्न होते हैं। व्यक्ति की योग्यता, रूचि, व्यवहार आदि में परिवर्तन शिक्षा द्वारा आता है। शिक्षा के द्वारा ही समाज की व्यवस्थाओं में परिवर्तन व विकास की दिशा निर्धारित की जा सकती है। शिक्षा व्यवसाय में शिक्षक विद्यार्थी और पाठ्यक्रम में गहरा सम्बन्ध होता है। शिक्षा की इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करने के लिए शिक्षक का अपने व्यवसाय के प्रति परिपक्व होना चाहिये। व्यवसायिक रूप से

परिपक्व शिक्षक ही कक्षा कक्ष में अधिगम प्रक्रिया के दौरान छात्रों की आवश्यकतानुसार उपयुक्त कक्षा व्यवहार कर विषय वस्तु को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करके अपने दायित्व का निर्वाह बखूबी कर सकता है। ऐसा वह तभी कर सकता है जब उसका कक्षा कक्ष में प्रस्तुत की जाने वाली विषय वस्तु के प्रति छात्रों की दृष्टि से उपयोगी विषय की भावना हो। उसका प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक हो। शिक्षक द्वारा पढाया गया पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के दैनिक जीवन में वास्तविक व व्यावहारिक आवश्यकताओं को पूर्ण करता है। सामाजिक अध्ययन विषय के महत्व के विषय में माध्यमिक शिक्षा आयोग (१९५२-५३) के अनुसार ''सामाजिक अध्ययन का मुख्य लक्ष्य बालक को उसके आस-पास के वातावरण के साथ साथ अपने परिवार, समुदाय राज्य व राष्ट्र में समायोजित करने योग्य बनाना है।'' अन्य विषयों की भांति सामाजिक अध्ययन की भी अपनी विषयवस्तु है। जिसे विभिन्न इकाईयों व प्रकरणों में विभक्त किया गया है। प्रत्येक प्रकरण में कुछ तथ्य सप्रत्यय परिभाषा सामान्यीकरण सिद्धान्त जो पाठ्यक्रम के अंश होते है का समावेश होता है।

शिक्षकों के व्यावसायिक दृष्टिकोण की परिपक्वता उनके द्वारा पढ़ाये जाने वाले सामाजिक अध्ययन विषय के अन्तर्गत वाणिज्य विषय सम्बन्धी विषय वस्तु के प्रति सोच से स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो सकती है जैसे- वह इस विषय वस्तु के बारे में क्या सोचते है? क्या वह पढ़ायी जाने वाली विषय वस्तु को उपयुक्त एवं पर्याप्त मानते है? या वह इस विषय वस्तु के किसी अंश को हटाना चाहते है? और इसके स्थान पर अन्य किसी विषय वस्तु को जोड़ना चाहते है? जिसे वह माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के भावी जीवन में उपयोग की दृष्टि से सार्थक मानते है? क्या उनके विषय वस्तु से सम्बन्धित कोई सुझाव है जिन्हें वह वर्तमान पाठ्यक्रम को प्रभावी बनाने हेतु देना चाहते है? शोधकर्त्री उक्त प्रश्नों के हल के साथ प्रस्तुत शोध के माध्यम से यह भी जानना चाहती है कि क्या महिला शिक्षकों की विषय वस्तु सम्बन्धी सोच में शैक्षिक योग्यता (स्नातक एवं स्नातकोत्तर)के सन्दर्भ में वैचारिक भिन्नता है? इसलिए ही इस विषय को शोध का केन्द्र बनाया गया है।

1.3 समस्या कथन : प्रस्तुत शोध अध्ययन की समस्या को निम्नलिखित रुप में प्रस्तुत किया गया है - परिपक्व व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं शैक्षिक योग्यता के सन्दर्भ में वाणिज्य विषयवस्तु के प्रति माध्यमिक शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण।

1.4 अध्ययन के उद्देश्य : शोध उद्देश्य के निर्धारण के महत्व को ध्यान में रखते हुए शोधकर्त्री द्वय ने अपने अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देश्य का निर्धारण किया है:-

1.4.1 परिपक्व व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं शैक्षिक योग्यता के सन्दर्भ में सामाजिक अध्ययन के अन्तर्गत वाणिज्य विषय वस्तु के प्रति माध्यमिक महिला शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

1.5 परिकल्पना : प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्त्री ने अपने अध्ययन में निम्न परिकल्पना निर्धारित की है-

1.5.1 परिपक्व व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं शैक्षिक योग्यता के सन्दर्भ में सामाजिक अध्ययन के अन्तर्गत वाणिज्य विषय वस्तु के प्रति माध्यमिक महिला शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण में अन्तर नहीं होता है।

1.6 अनुसंधान विधि : प्रस्तुत शोध की प्रकृति सर्वेक्षणात्मक होने के कारण अध्ययन को पूर्ण करने के लिये शोध की सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

1.7 जनसंख्या : प्रस्तुत शोध में राजस्थान राज्य के टोंक जिले के राजस्थान बोर्ड के माध्यमिक स्तर की ९वीं कक्षा के समाजिक अध्ययन विषय को पढ़ाने वाले समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों को इस अध्ययन की जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

1.8 न्यादर्श : प्रस्तुत अध्ययन में राजस्थान बोर्ड अजमेर द्वारा प्रमाणित ९वीं कक्षा के सामाजिक अध्ययन विषय को पढ़ाने वाले माध्यमिक स्तरीय परिपक्व व्यावसायिक दृष्टिकोण वाली महिला (१२ स्नातक एवं १८ स्नातकोत्तर) शिक्षकों को लिया गया है।

1.9 अध्ययन हेतु प्रयुक्त उपकरण : प्रस्तुत शोध अश्ययन में शिक्षकों की व्यावसायिक दृष्टिकोण परिपक्वता जानने हेतु डॉ. मीना बुद्धि सागर और डॉ. मधुलिका वर्मा द्वारा निमिति व मानकीकृत टीचर्स वोकेशनल मैच्युरिटी बैटरी में प्रयुक्त व्यावसायिक दृष्टिकोण परिपक्वता मापनी का प्रयोग किया गया है। माध्यमिक स्तरीय वाणिज्य विषय हेतु सम्बन्धी शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण जानने हेतु उपकरण का निर्माण शोधकर्त्री द्वारा स्वयं किया गया।

1.10 अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी : प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्तों का परिपक्व व्यवसायिक दृष्टिकोण एवं शैक्षिक योग्यता के आधार पर साँख्यिकीय विश्लेषण हेतु सामान्य सांख्यिकी प्रतिशत तथा रेखांकन का उपयोग किया गया है।

1.11 प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या : परिपक्व व्यावसायिक दृष्टिकोण वाले स्नातक एवं स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों का वाणिज्य विषयवस्तु के प्रति प्रत्यक्षीकरण में अन्तर नहीं होता है। इस परिकल्पना के परीक्षण से प्राप्त प्रदत्तों का सारणीयन क्रमांक (अ) तथा रेखा चित्र क्रमांक (ब) अंकित कर प्रदत्त विश्लेषण निम्न प्रकार प्रस्तुत है-

सारणी संख्या –1
वाणिज्य इकाई के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	QfyrkFk			
	mi;Drrk	fo"k; oLrq i;kIrrk	oreku e 0;olkf;d mi;kfxrk	Hkkoh thou e mi;kxh
Lukrd	100	66-66	83-33	66-66
Lukrdkùkj	100	66-66	85-57	95-23

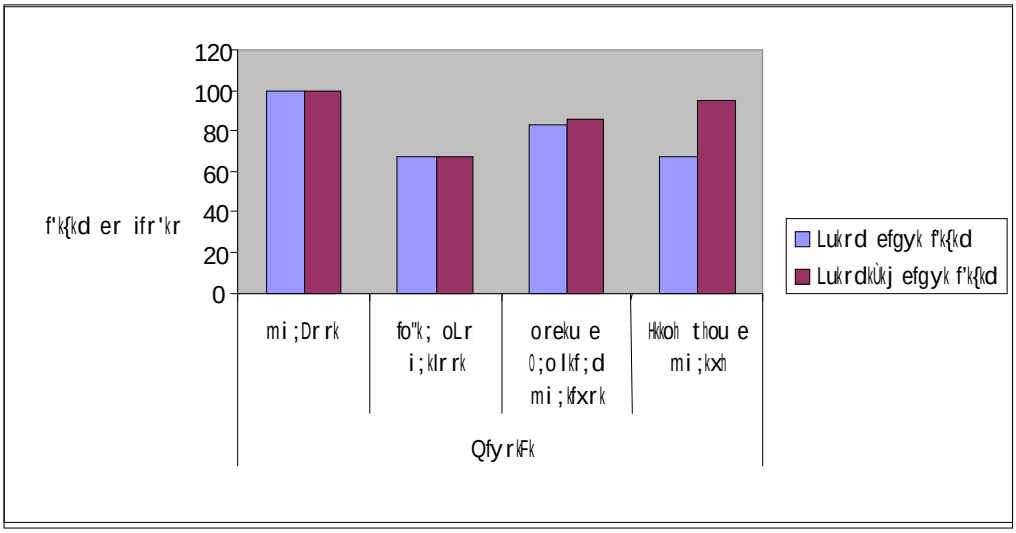

उपरोक्त सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन विषय में निहित वाणिज्य इकाई का विद्यार्थियों को पढ़ायें जाने के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है। वाणिज्य इकाई की विषय वस्तु की पर्याप्तता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ प्रतिशत है। वाणिज्य इकाई की वर्तमान में व्यवहारिक उपयोगिता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८३.३३ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८५.५७ है। वाणिज्य इकाई की भावी जीवन में उपयोगिता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों का सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों का सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ९५.२३ है।

सारणी संख्या – 2
व्यवसाय सामान्य परिचय उपइकाई के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक एवं स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	QfyrkFk			
	mi;kxh gkxh	:fp tkxr djxh	i;kIr gkxh	Kku dk vk/kkj fufer djxh
Lukrd	100	100	83-33	66-66
Lukrdkùkj	95-23	80-91	81-19	95-23

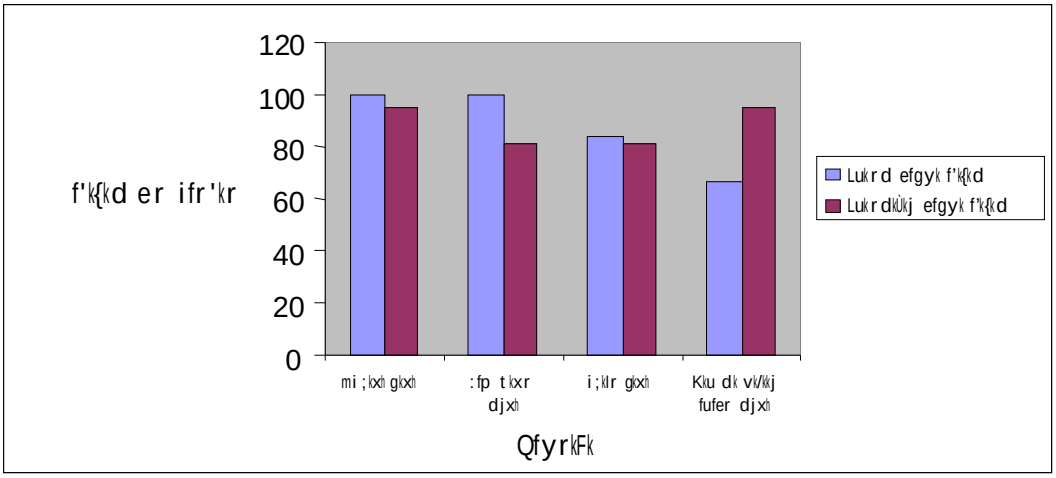

उपरोक्त सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन विषय में निहित वाणिज्य इकाई के अन्तर्गत व्यवसाय सामान्य परिचय उपइकाई शिक्षार्थियों के भावी अध्ययन के लिए उपयोगिता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ९५.२३ है। व्यवसाय सामान्य परिचय उपइकाई विद्यार्थियों में भावी अध्ययन के लिए रूचि जाग्रत कर सकेगी इस सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ९०.९१ है। व्यवसाय सामान्य परिचय की विषय की पर्याप्तता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८३.८३ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८१.१९ है। व्यवसाय सामान्य परिचय विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का आधार निर्मित करेगी इस सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ९५.२३ है। व्यवसाय सामान्य परिचय उपइकाई में १०० स्नातक महिला शिक्षक किसी भी अंश को जोड़ना या हटाना नहीं चाहती तथा २० स्नातकोत्तर महिला शिक्षक कई उपइकाई में रोकड बहीखाता आदि जैसे अंशों को जोड़ना चाहती है। १०० स्नातकोत्तर महिला शिक्षक किसी भी अंश को हटाने के पक्ष में नहीं है।

सारणी संख्या – 3
वाणिज्यिक क्रियाएं उप इकाई के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	QfyrkFk			
	oreku e mi;ksxh	:fp tkxr	0;kogkfjd Kku dh mi;kfxrk	fo"k; oLrq lk;kIr
Lukrd	83-33	83-33	100	50
LukrdkÙkj	100	95-23	90-47	80-91

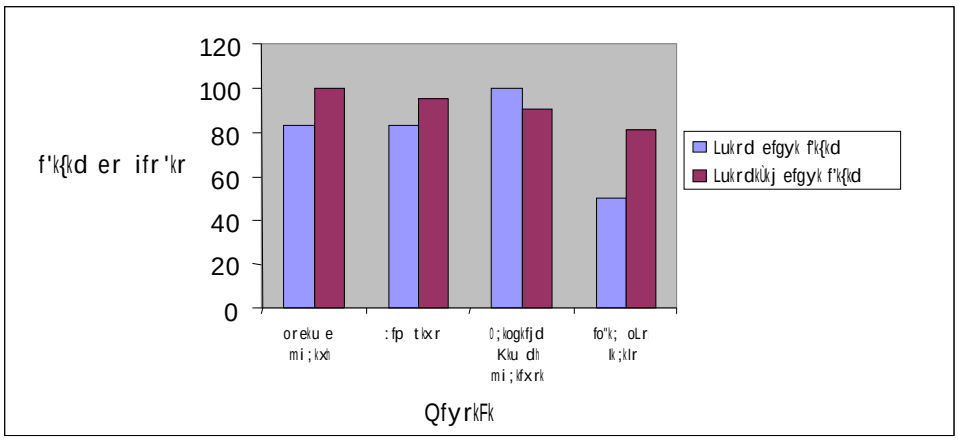

उपरोक्त सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन के अन्तर्गत वाणिज्य इकाई की वाणिज्यिक क्रियाएं उपइकाई में निहित बीमा, परिवहन, संचार तथा बैक नामक प्रकरणों का अध्ययन ८३.३३ स्नातक महिला शिक्षकों के अनुसार विद्यार्थियों के भावी जीवन में उपयोगी है तथा इसी सन्दर्भ में स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है। इसी प्रकार वाणिज्यिक क्रियाएं उपइकाई द्वारा विद्यार्थियों में रूचि जागृत करने के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८३.३३ है तथा स्नातकोत्तर शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६५.२३ है। वाणिज्यिक क्रियाएं उपइकाई से ज्ञानकी व्यवहारिक रूप से उपयोगिता के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसतप्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६०.४७ है। वाणिज्यिक क्रियाएं उपइकाई की विषयवस्तु की पर्याप्तता के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्याक्षीकरण का औसत प्रतिशत ५० है व स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८०.६१ है।

सारणी संख्या – 4
वाणिज्यिक क्रियाएं उप इकाई के अन्तर्गत बीमा प्रकरण के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	Qfyrkfk			
	mi;kxh	i;kIrrk	0;kogkfjd mi;kfxrk	l)kfUrd mi;kfxrk
Lukrd	83-33	66-66	66-66	66-66
LukrdkÙkj	71-14	71-14	90-47	71-14

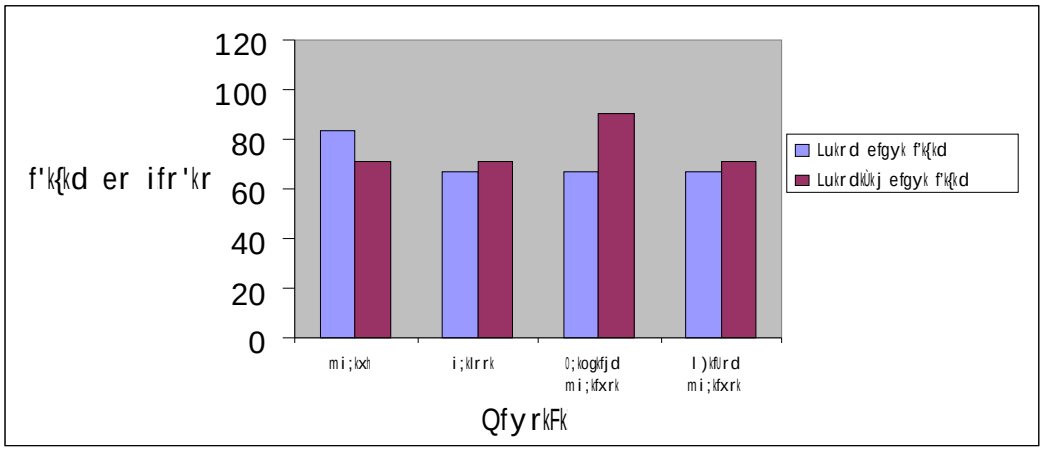

उपरोक्त सारणी व रेखांकन के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन विषय में निहित वाणिज्यिक क्रियाएं उपइकाई के अन्तर्गत बीमा विषयवस्तु के अंश उपयोगिता, प्रकार तथा विशेषताओं की वर्तमान में उपयुक्तता के सम्बन्ध मे स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक का औसत प्रतिशत ८३.३३ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७१.१४ है। बीमा विषय वस्तु के अंशों की पर्याप्तता के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७१.१४ है। बीमा विषयवस्तु के अंशो के अध्ययन की व्यवहारिक दृष्टि से उपयोगिता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६०.४७ है। बीमा विषयवस्तु के अंशों के अध्ययन की सैद्धान्तिक दृष्टि से उपयोगिता के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७१.१४ है। बीमा विषय वस्तु की उपयोगिता, प्रकार तथा विशेषताओं के अतिरिक्त किसी भी अंश को १०० प्रतिशत स्नातक महिला शिक्षक जोड़ना या हटाना नहीं चाहती जबकि २५ प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों का विचार है कि बीमा नामक विषय वस्तु के अन्तर्गत कुछ अंशों को जोड़ा जाना चाहिये तथा १०० प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षक किसी भी अंश को हटाना नहीं चाहती।

सारणी संख्या – 5

वाणिज्यिक क्रियाऐं उपइकाई के अन्तर्गत परिवहन विषयवस्तु के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	QfyrkFk			
	oreku e mi;kxh	fo"k;oLrq i;kIr	:fpdj	0;ogkfjd nf"V l mi;kxh
Lukrd	83-33	100	50	66-66
LukrdkÙkj	85-55	76-19	61-19	85-55

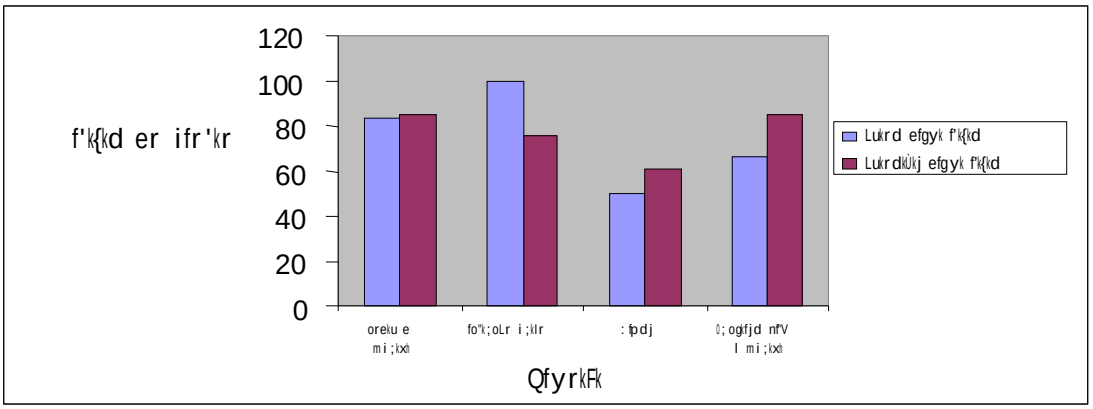

उपरोक्त सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन विषय में निहित वाणिज्यिक क्रियाऐं उपइकाई के अन्तर्गत परिवहन का वर्गीकरण के अध्ययन की वर्तमान में उपयोगिता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८३.३३ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८५.५५ है। परिवहन का वर्गीकरण नामक अंश की पर्याप्तता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है जबकि स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७६.१९ है। परिवहन का वर्गीकरण विद्यार्थियों की दृष्टि से रूचिकर है इस सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्क प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ५० तथा स्नाताकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६१.१९ है। परिवहन के वर्गीकरण की व्यावहारिक उपयोगिता के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत् ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्क प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८५.५५ है। परिवहन प्रकरण के अन्तर्गत १०० प्रतिशत महिला शिक्षकों का मत है कि इसमें अन्य किसी अंश को जोड़ने या हटाने की आवश्यकता नहीं है तथा २४ प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों के अनुसार कुछ अंशों को जोड़ा जाना चाहिये तथा किसी भी अंश को हटाया नहीं जाना चाहिये।

सारणी संख्या – 6

वाणिज्यिक क्रियाऐं उपइकाई के अन्तर्गत बैंक विषय वस्तु के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	QfyrkFk			
	i;kIr	oreku e mi;kxh	0;kogkfjd :i l mi;kxh	:fpdj
Lukrd	66-66	100	100	66-66
LukrdkÙkj	80-91	90-47	90-47	76-19

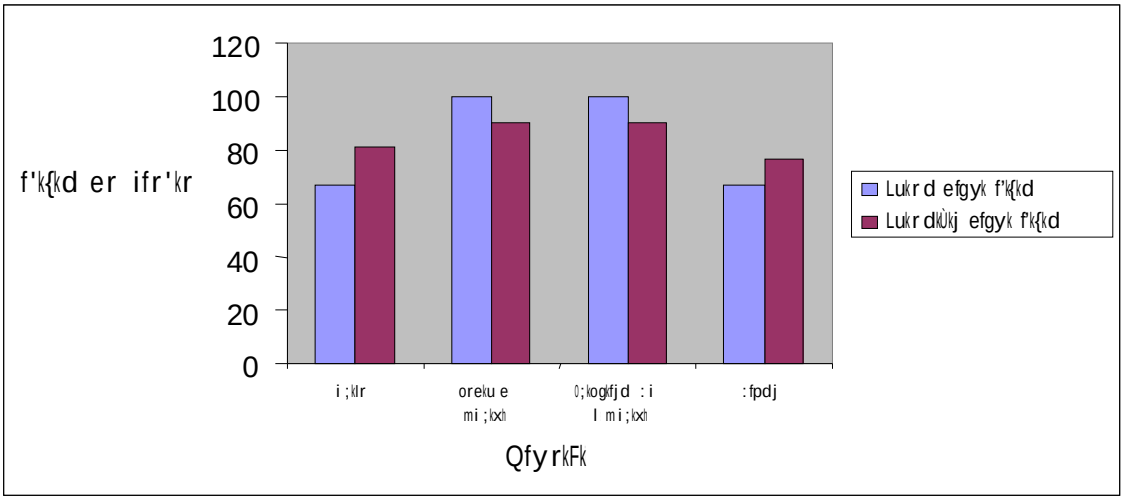

उपरोक्त सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन विषय में निहित बैंक नामक प्रकरण के अंश–कार्य, प्रकार तथा प्रमुख प्रलेख विद्यार्थियों को पढ़ाना पर्याप्त है इस सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८०.६१ है। बैंक के प्रकार, कार्य तथा प्रमुख प्रलेखों की विद्यार्थियों के लिए वर्तमान में उपयोगिता ने सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों का सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६०.४७ है। बैंक के अंशों की व्यवहारिक दृष्टि से उपयोगिता के समबन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६०.४७ है। बैंक के अंश विद्यार्थियों की दृष्टि से रूचिकर होने के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७६.१६ है। बैंक विषयवस्तु के अन्तर्गत कार्य, प्रकार तथा प्रमुख प्रलेख के अतिरिक्त अन्य किसी अंश को जोड़ना या हटाना १०० प्रतिशत स्नातक महिला शिक्षकों के अनुसार आवश्यक नहीं है तथा २० प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के अनुसार कुछ अंशों को जोड़ा जा सकता है। तथा १०० प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के अनुसार किसी भी अंश को हटाया नहीं जाना चाहिये।

सारणी संख्या – 7
वाणिज्यिक क्रियाऐं उपइकाई के अन्तर्गत संचार प्रकरण के फलितार्थ के सन्दर्भ में स्नातक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के मतों की प्रतिशत सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब)

'kf{kd ;kX;rk	QfyrkFk					
	i;kIr	mi;qDr	:fpdj	0;kogkfjd :i l mi;qDr	l)k0 :i l mi;qDr	Kku inku
Lukrd	100	100	83-33	66-66	100	100
LukrdkÙkj	85-55	76-19	76-19	76-19	71-14	81

उपरोक्त सारणी (अ) एवं रेखाकंन (ब) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तरीय सामाजिक अध्ययन विषय में निहत वाणिज्यिक उपइकाई के अन्तर्गत संचार के साधनों को पढ़ाया जाने की पर्याप्तता के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिखकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्क प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८५.५५ है। संचार के साधनों की वर्तमान में उपयोगिता के सन्दर्भ में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७६.१६ है। संचार के साधनों का पढ़ाया जाना विद्यार्थियों के दृष्टि से रूचिशील के सम्बन्ध में स्नातक शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८३.३३ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७६.१६ है। संचार के साधनों को पढ़ाया जाना व्यवहारिक उपयोगिता की दृष्टि के सम्बन्ध में स्नातक के महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ६६.६६ है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७६.१६ है। संचार के साधनों को पढ़ाया जाना सैद्धान्तिक उपयोगिता को दृष्टि के सम्बन्ध में स्नातक महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत १०० है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ७१.१४ है। संचार के साधनों के द्वारा नवीन तकनीकी का ज्ञान प्रदान करने के सन्दर्भ में १०० प्रतिशत स्नातक महिला शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के सकारात्क प्रत्यक्षीकरण का औसत प्रतिशत ८१ है। संचार के साधनों के अन्तर्गत ५० प्रतिशत स्नातक महिला शिक्षकों के अनुसार अतिरिक्त विषय अंशा को जोड़ा जाना चाहिए तथा १०० प्रतिशत स्नातक महिला शिक्षकों के अनुसार किसी भी अंश को हटाया नहीं जाना चाहिए। संचार के साधनों के अन्तर्गत ६० प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के अनुसार अतिरिक्त विषय अंशों को जोड़ा जाना चाहिए तथा १०० प्रतिशत स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के अनुसार किसी भी अंश को हटाया नहीं जाना चाहिए। वाणिज्यिक क्रियाओं उपइकाई के अन्तर्गत पढ़ायी जाने वाली विषय वस्तु (बीमा, परिवहन, बैक तथा संचार) के विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की लगभग सभी महिला शिक्षकों की राय है कि माध्यमिक स्तरानुसार विषयवस्तु पर्याप्त है।

१.१२ निष्कर्ष, विवेचन एवं सुझाव : मुख्य उद्देश्य के सम्बन्ध में परिकल्पना के सारणी 'अ' व रेखाकंन 'ब'' के अन्तर्गत विश्लेषण आधार पर निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि ६६.६६ प्रतिशत स्नातक महिला शिक्षक तथा स्नातकोत्तर महिला शिक्षक मानती है कि वाणिज्य इकाई विद्यार्थियों को पढाया जाना पयुक्त पर्याप्त वर्तमान इसकी व्यवसायिक तथा भावी जीवन में उपयोगिता है लेकिन ६६.६६: स्नातक महिला शिक्षकों की तुलना में २८.५७: अधिक स्नातकोत्तर महिला शिक्षक इसे विद्यार्थियों के लिए भावी जीवन में उपयोगी मानती है। अतः कहा जा सकता है कि वाणिज्य इकाई भावी जीवन में उपयोगिता के सन्दर्भ में स्नातक एवं स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण में भिन्नता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणाम राजस्थान राज्य के एक जिले के माध्यमिक स्तर की ९वीं कक्षा के समाजिक अध्ययन विषय को पढ़ाने वाले स्नातक एवं स्नातकोत्तर महिला शिक्षकों के विश्लेषण पर आधारित है। अतः प्रस्तुत शोध अध्ययन की तुलना में न्यादर्श का आकार बढ़ा कर अध्ययन करने से प्राप्त परिणामों की पुष्टि की जा सकती है। किन्तु व्यापकता की दृष्टि से उचित होगा कि इसी राज्य एवं अन्य राज्यों में भी उच्च माध्यमिक एवं विश्वविद्यालय स्तर के शिक्षकों पर भी इसी प्रकार के अध्ययन किये जाये।

सन्दर्भ

१.बाघेला, एच.एस., सामाजिक विज्ञान शिक्षण, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
२.बटवाल, सुकेश (१९८३) माध्यमिक स्तर पर नागरिक शास्त्र सम्प्रत्ययों का छात्राओं की बुद्धिलब्धि, शैक्षिक स्थिति और सह शैक्षिक क्रियाओं के सन्दर्भ में अध्ययन, एम.एड., शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान।
३.भटनागर, आर.पी.एण्ड मीनाक्षी भटनागर (२००३), शिक्षा अनुसंधान, इण्टर नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, मेरठ।
४.बुनकर, आभा (२००५) समाजिक अध्ययन के लिए समन्वित सम्प्रत्यों का विकास का अध्ययन, एम.एड. लधु शोघ प्रबन्घ, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान।
५.बुच एम.बी., फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, वोल्यूम I, १९८३-८८.
६.बुच एम.बी., फिफ्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, वोल्यूम I, १९८८-९२
७.बुच एम.बी., फिफ्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, वोल्यूम II, १९८८-९२
८.गंगल, मीनू (२०१०) परिपक्व व्यवसायिक दृष्टिकोण एवं शैक्षिक योग्यता के सन्दर्भ में सामाजिक अध्ययन विषय के अन्तर्गत वाणिज्य विषय वस्तु के प्रति माध्यमिक स्तरीय शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन, एम.एड. लधु शोघ प्रबन्घ, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान।
९.कपिल, एच. के (२००६), सांख्यिकी के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
१०.कौल, लोकेश, (२०००) मैथेडोलॉजी ऑफ एजूकेशनल रिसर्च, विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
११.ओसूला, ई.सी.(१९८५) थोरीएण्ड प्रेन्टिस ऑफ वोकेशनल गाइडेन्स, कैलाश मित्तल पब्लिशर्स, मेरठ।
१२.परवीन, आविदा एवं अग्रवाल, संध्या, सामाजिक अध्ययन शिक्षण, आस्था प्रकाशन जयपुर।
१३.रमल, जे.एफ (१९५८) ''एन इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च प्रोसीजर्स इन एजूकेशन हार्थर एण्ड ब्रदर्स, न्यूयार्क।
१४.शर्मा, आर.ए. (२००१), शोध प्रबन्ध लेखन, लायल बुक डिपो, मेरठ।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org